Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Two Day National Water Convention

Newspaper: Amar Ujala **Date: 12-06-2022**

संकल्प के साथ जल संरक्षक जोड़ो अभियान की शुरुआत

साझा प्रयासों की आवश्यकता पर दिया बल, विवि व प्रशासन को मिलकर काम करने के लिए किया प्रेरित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। अपना जल, स्वच्छ भारत मिशन, महेंद्रगढ़ के अंतर्गत इंडियन हिमालयन रिवर बेसिन काउंसिल, तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ व आईआईटीएम, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के सांझा प्रयासों से शनिवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में जल संरक्षक जोड़ो अभियान की शुरूआत हुई।

इस अवसर पर जल पुरुष डॉ. राजेंद्र सिंह ने स्थानीय गांवों से आए प्रतिनिधियों, स्कूलों व महाविद्यालय के पदाधिकारियों तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों का आह्वान करते हुए कहा कि यदि महेंद्रगढ़ को पानीदार बनाना है तो हमें अपनी जमीन पर इसके लिए आवश्यक प्रयास करने होंगे।

कार्यक्रम के मुख्यातिथि जल पुरुष व मैगसेसे अवॉर्ड विजेता डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा कि इस अभियान की सफलता के लिए तकनीक, इंजीनियरिंग कौशल के ज्यादा महत्वपूर्ण है कि समाज का मन पानी से जुड़े। उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि भूगोल बदलने में समय लगता है और इसके लिए सामूहिक प्रयास समाज को संगठित कर करने होंगे। उन्होंने इस मौके पर विश्वविद्यालय व जिला प्रशासन को मिलकर जल साक्षरता अभियान की शुरूआत करने के लिए प्रेरित किया। जिसे मौके पर ही उपायुक्त व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वीकार कर लिया।

राष्ट्रीय जल सम्मेलन का उद्घाटन करते उपायुक्त डॉ. जेके आभीर व डॉ. राजेंद्र सिंह। संवाद

सेल्फी विद तलैया की अपील

जिला उपायुक्त ने 2017 से इस दिशा में जारी प्रयासों की बात करते हुए सेल्फी विद तलैया व जगह-जगह गड्ढे तैयार कर वर्षा जल संचयन व अपशिष्ट जल के संचयन की दिशा में प्रयास करने की अपील की। साथ ही कहा कि हम इस लक्ष्य को अपसी सहयोग से बेहद सहज रूप से प्राप्त कर सकते हैं। इस मौके पर इंदिरा खुराना ने जल संरक्षण की दिशा में महेंद्रगढ़ जिले में शुरू हुए अभियान को महत्वपूर्ण बताया।

विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद सभागार में आयोजित जल संरक्षक अभियान की शुरूआत के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जल सम्मेलन का शुभांभ दीप प्रज्वलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत में आईआईटीएम के बाबू लाल यादव ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और विशेषज्ञों व अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने स्वागत संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि जल संरक्षण का प्रण लेकर आगे बढ़ें। कुलसचिव ने इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की ओर से स्थानीय प्रशासन को आश्वस्त किया कि इस अभियान में विश्वविद्यालय सहयोग के लिए सदैव तत्पर है। इस मौके पर उपायुक्त डॉ. ने कहा कि जिला में 1 जून से मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान शुरू किया है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य जल स्तर को बढ़ाना है। इसमें किसान, युवा वर्ग व अन्य सभी आमजन का सहयोग जरूरी है। पानी को एकत्रित करने के लिए खेतों में, पंचायती जमीन में, घरों में व काम न आने वाली जमीन में छोटे-छोटे गड्ढे बनाकर छोड़ दें ताकि जब बरसात का पानी उन गड्ढों में भर जाए। उपायुक्त ने कहा कि जब प्रण लेता हूं तो उसे पूरा करता हूं और इसके लिए स्थानीय सहयोग के साथ आगे बढ़ने पर विश्वास रखता हूं। वहीं, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने इस मौके पर विवि के स्तर पर हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया और इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए स्थानीय प्रशासन का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में आयुष्मान भारत के ज्वाइंट सीईओ श्री दिनेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

कार्यक्रम में कनीना के एसडीएम सुरेंद्र कुमार व एसडीएम नारनौल मनोज भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में विवि की ओर से सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह, पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, डॉ. आरती यादव, डॉ. रेनु यादव व डॉ. विनीता मलिक ने सक्रिय भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 12-06-2022**

जल संरक्षक जोड़ो अभियान की शुरूआत, केंद्रीय विवि में हुआ सम्मेलन

जल साक्षरता में हकेंवि और प्रशासन मिलकर करेंगे काम, डीसी ने सेल्फी विद तलैया का किया आह्वान

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

अपना जल, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत इंडियन हिमालयन रिवर बेसिन काउंसिल, तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ व आईआईटीटीएम, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के साझा प्रयासों से शनिवार को हकेंवि, महेंद्रगढ़ में जल संरक्षक जोड़ो अभियान की शुरूआत हुई। इस अवसर पर जल पुरूष डॉ. राजेंद्र सिंह ने गांव से आए प्रतिनिधियों, स्कूलों व महाविद्यालय के पदाधिकारियों तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों का आह्वान करते हुए कहा कि यदि महेंद्रगढ़ को पानीदार बनाना है तो हमें अपनी-अपनी जमीन पर इसके लिए आवश्यक प्रयास करने होंगे। जल पुरूष ने इस मौके पर सनातन समाधान का उल्लेख करते हुए सदैव, नित, नूतन निर्माण की प्रक्रिया को अपनाने पर जोर दिया और कहा कि इसके माध्यम से हम इस समस्या का समाधान पा सकते हैं। इस अवसर पर डीसी डॉ. जेके. आभीर ने प्रशासन की ओर से इस दिशा में जारी प्रयासों को हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया और सामूहिक भागीदारी को आवश्यक बताया। जिला उपायुक्त ने इस मौके पर युवाओं के लिए सेल्फी विद तलैया का भी आह्वान किया। प्रो. मूलचंद सभागार में आयोजित जल संरक्षक अभियान की शुरूआत के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जल सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत में आईआईटीटीएम के बाबू लाल यादव ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने स्वागत संबोधन दिया। उन्होंने जल संरक्षण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल संरक्षित करने के लिए यदि हमने सामूहिक प्रयास नहीं किए तो भविष्य में पानी की समस्या गंभीर से बहुत गंभीर हो जाएगी। इस मौके पर उपायुक्त डॉ. जेके आभीर ने अपने संबोधन में कहा कि जिले में 1 जून से मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान शुरू किया है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य जल स्तर को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि इसमें किसान, युवा वर्ग व अन्य सभी आमजन का सहयोग जरूरी है। पानी को एकत्रित करने के लिए खेतों में, पंचायती जमीन में, घरों में व काम न आने वाली जमीन में छोटे-छोटे गड्ढे बनाकर छोड़ दें ताकि जब बरसात हो तो वह बरसात का पानी उन गड्ढों में भर जाए। उन्होंने कहा कि जब यह पानी इन गड्ढों में भर जाएगा तो वह धीरे धीरे धरती की गोद में समा जाएगा। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने इस मौके पर विश्वविद्यालय के स्तर पर हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया और इस महत्त्वपूर्ण आयोजन के लिए स्थानीय प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के अंत में रमेश शर्मा में गीत प्रस्तुत किया और रामनिवास यादव ने जल संरक्षण को महत्त्वपूर्ण बताया। आयुष्मान भारत के ज्वाइंट सीईओ दिनेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कनीना के एसडीएम सुरेंद्र कुमार व एसडीएम नारनौल मनोज भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. विकास गर्ग, सुंदर लाल शर्मा, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी, शोधार्थी, प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 12-06-2022**

जल साक्षरता अभियान के लिए विश्वविद्यालय व प्रशासन को मिलकर काम करने के लिए किया प्रेरित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: मिशन महेंद्रगढ़-अपना जल, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत इंडियन हिमालयन रिवर बेसिन काउंसिल, तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ व आइआइटीटीएम, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के साझा प्रयासों से शनिवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में जल संरक्षक जोड़ो अभियान की शुरूआत हुई। इस अवसर पर जल पुरुष डा. राजेंद्र सिंह ने गांव से स्थानीय गांवों से आए प्रतिनिधियों, स्कूलों व महाविद्यालय के पदाधिकारियों तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों का आह्वान करते हुए कहा कि यदि महेंद्रगढ़ को पानीवाला बनाना है तो हमें अपनी-अपनी जमीन पर इसके लिए आवश्यक प्रयास करने होंगे। उन्होंने सदैव, नित, नूतन निर्माण की प्रक्रिया को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से हम इस समस्या का समाधान पा सकते हैं। डा. राजेंद्र सिंह ने कहा कि इस अभियान की सफलता के लिए तकनीक, इंजीनियरिंग कौशल के ज्यादा महत्वपूर्ण है कि समाज का मन पानी से जुड़ें। उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि भूगोल बदलने में समय लगता है और इसके लिए सामूहिक प्रयास समाज को संगठित कर करने होंगे। उन्होंने इस मौके पर विश्वविद्यालय व जिला प्रशासन को मिलकर जल साक्षरता अभियान की शुरुआत करने के लिए प्रेरित किया। जिला उपायुक्त डा. जेके आधीर ने प्रशासन की ओर से इस दिशा में जारी प्रयासों को हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया और सामूहिक भागीदारी को आवश्यक बताया। जिला उपायुक्त ने इस मौके पर युवाओं के लिए सेल्फी विद तलैया का भी आह्वान किया।

विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मूलचंद सभागार में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जल सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में आइआइटीटीएम के बाबू लाल यादव ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और विशेषज्ञों व अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने स्वागत संबोधन दिया। उन्होंने जल संरक्षण की महता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल संरक्षित करने के लिए यदि हमने सामूहिक प्रयास नहीं किए तो भविष्य में पानी की समस्या गंभीर से बहुत गंभीर हो जाएगी।

दीप प्रज्ज्वलित कर राष्ट्रीय जल सम्मेलन का उद्घाटन करते जिला उपायुक्त व मेगसेसे अवार्डी डा. राजेंद्र सिंह ● सौ. प्रवक्ता

इस मौके पर उपायुक्त डा. जेके आधीर ने अपने संबोधन में कहा कि जिला में एक जून से मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान शुरू किया है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य जल स्तर को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि इसमें किसान, युवा वर्ग व अन्य सभी आमजन का सहयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि पानी को एकत्रित करने के लिए खेतों में, पंचायती जमीन में, घरों में व काम न आने वाली जमीन में छोटे-छोटे गड्ढे बनाकर छोड़ दें ताकि जब बरसात हो तो वह बरसात का पानी उन गड्ढों में भर जाए। उन्होंने कहा कि जब यह पानी इन गड्ढों में भर जाएगा तो यह धीरे धीरे धरती की गोद में समा जाएगा। उन्होंने कहा कि इसमें शारीरिक मेहनत करके हर व्यक्ति अपना सहयोग दे सकता है। इसमें पैसा खर्च करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने एक बैंक का उदाहरण देते हुए कहा कि हमारे बैंक खाते में पैसा जमा होता है अगर उसमें पैसा जमा न करवाएं तथा धीरे-धीरे उसमें से पैसा निकलवाते रहें तो वह सारा पैसा धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगा।

जिसे मौके पर ही जिला उपायुक्त व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वीकार कर लिया। उद्घाटन कार्यक्रम के अंतिम चरण में इंदिरा खुराना ने जल संरक्षण की दिशा में महेंद्रगढ़ जिले में शुरू हुए इस अभियान को महत्वपूर्ण बताया और इसके लिए भविष्य की कार्ययोजना तैयार कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने इस मौके पर विश्वविद्यालय के स्तर पर हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया और इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए स्थानीय प्रशासन का आभार व्यक्त किया। डा. ज्योति आधीर ने जमीनी स्तर पर इस दिशा में जारी प्रयासों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि जल संरक्षण के लिए इस अभियान में सम्मिलित सभी प्रतिभागी स्थानीय स्तर पर इसका प्रचार-प्रसार करें। कार्यक्रम के अंत में रमेश शर्मा ने गीत प्रस्तुत किया और रामनिवास यादव ने जल संरक्षण को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के अंत में आयुष्मान भारत के ज्वाइंट सीईओ श्री दिनेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम में कनीना के एसडीएम सुरेंद्र कुमार व एसडीएम नारनौल मनोज भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में विश्वविद्यालय की ओर से सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह, पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डा. मोना शर्मा, डॉ. आरती यादव, डा. रेनु यादव व डा. विमीता मलिक ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. रेजन अनेजा, डा. विकास गर्ग, सुंदर लाल शर्मा, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी, शोधार्थी, स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 12-06-2022**

जल संरक्षक जोड़ो अभियान शुरू

'महेंद्रगढ़ को पानीदार बनाना है तो नूतन निर्माण पर देना होगा जोर'

नारनौल, 11 जून (निस)

आईआईटीटीएम, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के प्रयासों से शनिवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में जल संरक्षक जोड़ो अभियान की शुरुआत हुई।

इस अवसर पर जलपुरुष डॉ. राजेंद्र सिंह ने कई गांवों से आए प्रतिनिधियों, स्कूलों व महाविद्यालय के पदाधिकारियों तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों से आह्वान करते हुए कहा कि यदि महेंद्रगढ़ को पानीदार बनाना है तो हमें अपनी-अपनी जमीन पर इसके लिए आवश्यक प्रयास करने होंगे। इस मौके पर जलपुरुष ने सनातन समाधान का उल्लेख करते हुए सदैव, नित, नूतन निर्माण की प्रक्रिया को अपनाने पर जोर दिया और कहा कि इसके माध्यम से हम इस समस्या का समाधान पा सकते हैं। इस अवसर पर जिला उपायुक्त डॉ. जेके आभीर ने युवाओं के लिए 'सेल्फी विद तलैया' का भी आह्वान किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की ओर से स्थानीय प्रशासन को आश्वस्त किया कि इस अभियान में विश्वविद्यालय सहयोग के लिए सदैव तत्पर है।

दैनिक ट्रिब्यून Sun, 12 June 2022
https://epaper.dainiktribun

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times **Date: 12-06-2022**

'Jal Sangrakshak Jodo' campaign launched

PROF. SUNIL KUMAR, REGISTRAR DELIVERED THE WELCOME ADDRESS. HIGHLIGHTING THE IMPORTANCE OF WATER CONSERVATION, HE SAID THAT IF WE DO NOT MAKE COLLECTIVE EFFORTS TO CONSERVE WATER, THEN IN FUTURE THE PROBLEM OF WATER WILL BECOME CRITICAL.

MAHENDRAGARH(TIT NEWS): With the joint efforts of Indian Himalayan River Basin Council, Tarun Bharat Sangh, District Administration Mahendragarh and IITTM, Ministry of Tourism, Government of India under Mission Mahendragarh: Apna Jal, Swachh Bharat Mission, Mahendragarh, 'Jal Sangrakshak Jodo Abhiyan' started at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh on Saturday. On this occasion, Jal Purush and Magsaysay Awardee Dr. Rajendra Singh called upon the representatives of the local villages, the officials of schools and colleges and the teachers, students and employees of the University and said that if Mahendergarh has to increase its water level, then we have to make necessary efforts on our own land. On this occasion, Jal Purush, while mentioning the Sanatan solution, stressed on adopting the process of everlasting, new, eternal creation and said that through this we can find a solution to this problem. On this occasion, District Deputy Commissioner Dr. J.K. Abhir assured all possible support to the ongoing efforts in this direction by the administration and called for collective participation. On this occasion, the District Deputy Commissioner also called for Selfie with Talaiya of the youth. The two-day National Water Convention, organized on the occasion of the beginning of the water conservation campaign organized in Professor Mookchand Auditorium of the University, started with the lightening of the lamp and the Kulgeet of the University. In the beginning of the program, Mr. Babu Lal Yadav of IITTM presented the outline of the program and introduced the experts and guests. Prof. Sunil Kumar, Registrar delivered the welcome address. Highlighting the importance of water conservation, he said that if we do not make collective efforts to conserve water, then in future the problem of water will become critical. He called upon everyone to cooperate in the water conservation campaign and said that the time has come to take a pledge to conserve water. He said that today's effort will definitely play a decisive role in achieving this goal and I am sure that under the guidance and direction of Dr. Rajendra Singh, Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar, District Deputy Commissioner Dr. J.K. Abhir, we will be able to complete this work very well. Dr. J.K. Abhir, Deputy Commissioner, Mahendergarh started his address with Mission Mahendragarh: Apna Jal, which started in Mahendergarh district from June 1. While presenting the introduction of the campaign, he appealed to the youth for active cooperation for water conservation while highlighting the ground water situation in the area. He said that when I take a vow, I fulfill it and for this I believe in moving forward with local cooperation. Talking about the ongoing efforts in this direction since 2017, the Deputy Commissioner called for making efforts in the direction of rain water harvesting and waste water harvesting.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 12-06-2022**

जल संरक्षक जोड़ो अभियान की शुरूआत, उपायुक्त ने सैल्फी विद तलैया का किया आह्वान

■ हकेंवि में 2 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की हुई शुरूआत

महेंद्रगढ़, 11 जून (मोहन/परमजीत): अपना जल, स्वच्छ भारत मिशन, महेंद्रगढ़ के अंतर्गत इंडियन हिमालयन रिवर बेसिन काऊंसिल, तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ व आई.आई.टी.टी.एम., पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के सांझा प्रयासों से शनिवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में जल संरक्षक जोड़ो अभियान की शुरूआत हुई।

इस अवसर पर जल पुरुष डॉ. राजेंद्र सिंह ने गांव से स्थानीय गांवों से आए प्रतिनिधियों, स्कूलों व महाविद्यालय के पदाधिकारियों तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों का आह्वान करते हुए कहा कि यदि महेंद्रगढ़ को पानीदार बनाना है तो हमें अपनी-अपनी जमीन पर इसके लिए आवश्यक प्रयास करने होंगे।

जल पुरुष ने इस मौके पर सनातन समाधान का उल्लेख करते हुए सदैव, नित, नूतन निर्माण की प्रक्रिया को अपनाने पर जोर दिया और कहा कि इसके माध्यम से हम इस समस्या का समाधान पा सकते हैं।

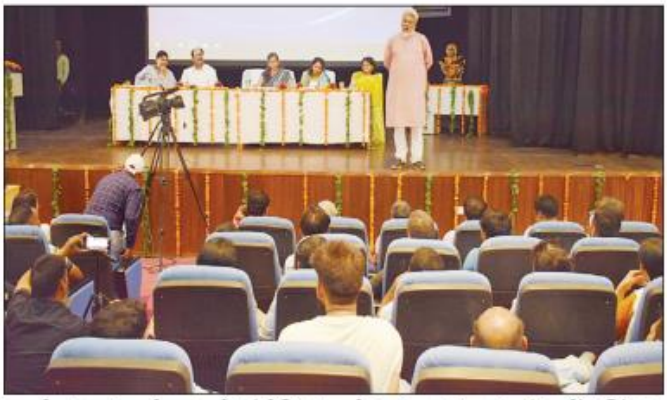

राष्ट्रीय जल सम्मेलन को संबोधित करते हुए जल पुरुष डॉ. राजेंद्र सिंह।

इस अवसर पर जिला उपायुक्त डॉ. जे.के. आभीर ने प्रशासन की ओर से इस दिशा में जारी प्रयासों को हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया और सामूहिक भागीदारी को आवश्यक बताया। जिला उपायुक्त ने इस मौके पर युवाओं के लिए सैल्फी विद तलैया का भी आह्वान किया।

विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद सभागार में आयोजित जल संरक्षक अभियान की शुरूआत के अवसर पर आयोजित 2 दिवसीय राष्ट्रीय जल सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने स्वागत संबोधन दिया।

उन्होंने जल संरक्षण की महता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल संरक्षित करने के लिए यदि हमने सामूहिक प्रयास नहीं किए तो भविष्य में पानी की समस्या गंभीर से बहुत गंभीर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि आज का यह प्रयास अवश्य ही इस लक्ष्य की प्राप्ति में निर्णायक भूमिका निभाएगा और मुझे विश्वास है कि डॉ. राजेंद्र सिंह, विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व जिला उपायुक्त डॉ. जे.के. आभीर के मार्गदर्शन व निर्देशन में हम इस कार्य को बखूबी पूर्ण कर पाएंगे

। कुलसचिव ने इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की ओर से स्थानीय प्रशासन को आश्वस्त किया कि इस अभियान में विश्वविद्यालय सहयोग के लिए सदैव तत्पर है।

तकनीक, इंजीनियरिंग, कौशल से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि समाज का मन पानी से जुड़े: डॉ. राजेंद्र

कार्यक्रम के मुख्यातिथि जल पुरूष व मैगससे अवार्ड विजेता डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा कि इस अभियान की सफलता के लिए तकनीक, इंजीनियरिंग कौशल से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि समाज का मन पानी से जुड़े।

उन्होंने अपने अनुभवों को सांझा करते हुए कहा कि भूगोल बदलने में समय लगता है और इसके लिए सामूहिक प्रयास समाज को संगठित कर करने होंगे।

उन्होंने इस मौके पर विश्व-विद्यालय व जिला प्रशासन को मिलकर जल साक्षरता अभियान की शुरूआत करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. विकास गर्ग, सुंदर लाल शर्मा, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी, शोधार्थी, स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) **Date: 12-06-2022**

जल संरक्षक जोड़ों अभियान की विवि. से हुई शुरूआत

- जल साक्षरता अभियान के लिए विश्वविद्यालय व प्रशासन को मिलकर काम करने के लिए किया प्रेरित

दीप प्रज्ज्वलित कर राष्ट्रीय जल सम्मेलन का शुभारंभ करते जिला उपायुक्त व डा. राजेंद्र सिंह। (छाया : सरोज यादव)

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): मिशन महेंद्रगढ़, अपना जल, स्वच्छ भारत मिशन, महेंद्रगढ़ के अंतर्गत इंडियन हिमालयन रिवर बेसिन काउंसिल, तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ व आईआईटीटीएम, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के साझा प्रयासों से शनिवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में जल संरक्षक जोड़ों अभियान की शुरूआत हुई। इस अवसर पर जल पुरूष डॉ. राजेंद्र सिंह ने गांव से स्थानीय गांवों से आए प्रतिनिधियों, स्कूलों व महाविद्यालय के पदाधिकारियों तथा विश्वविवद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों का आह्वान करते हुए कहा कि यदि महेंद्रगढ़ को पानीदार बनाना है तो हमें अपनी-अपनी जमीन पर इसके लिए आवश्यक प्रयास करने होंगे। जल पुरूष ने इस मौके पर सनातन समाधान का उल्लेख करते हुए सदैव, नित, नूतन निर्माण की प्रक्रिया को अपनाने पर जोर दिया और कहा कि इसके माध्यम से हम इस समस्या का समाधान पा सकते हैं। इस अवसर पर जिला उपायुक्त डॉ. जे.के. आभीर ने प्रशासन की ओर से इस दिशा में जारी प्रयासों को हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया और सामूहिक भागीदारी को आवश्यक बताया। जिला उपायुक्त ने इस मौके पर युवाओं के लिए सेल्फी विद तलैया का भी आह्वान किया। इस मौके पर उपायुक्त डॉ. जे.के. आभीर ने अपने संबोधन में कहा कि जिला में 1 जून से मिशन महेन्द्रगढ़ अपना जल अभियान शुरू किया है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 13-06-2022**

कार्यक्रम

हरियाणा केंद्रीय विवि में दो दिवसीय जल सम्मेलन का हुआ समापन

सरकार और समाज की साझेदारी से होगा जल संरक्षण : डॉ. राजेंद्र सिंह

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। अपना जल, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत इंडियन हिमालयन रिवर बेसिन काउंसिल, तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ व आईआईटीटीएम, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के साझा प्रयासों से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जल सम्मेलन का रविवार को समापन हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए जल पुरुष डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार और समाज की साझेदारी से ही जल संरक्षण होगा। इसकी दिशा में आरंभ हुआ सजल महेंद्रगढ़ अभियान अवश्य पूरा होगा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भरोसा दिलाया कि विश्वविद्यालय इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएगा।

समापन सत्र में डॉ. राजेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों से सीधे संवाद किया और कहा कि अभियान को हर व्यक्ति आरंभ करता है तो इसकी सफलता तय है।

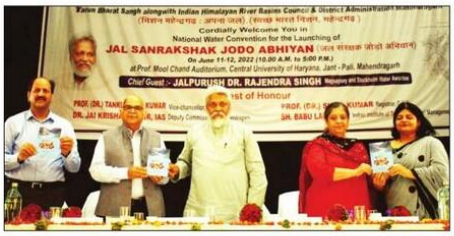

राष्ट्रीय जल सम्मेलन में डॉ. राजेंद्र सिंह की पुस्तक का विमोचन करते कुलपति। संवाद

उन्होंने इस मौके पर जल नायक, जल योद्धा, जल प्रेमी, जल दूत और जल सेवक को भी परिभाषित करते हुए अपने-अपने स्तर पर, अपनी-अपनी योग्यताओं व क्षमताओं के अनुसार प्रतिभागियों को भूमिका निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

समापन सत्र की शुरूआत से पूर्व प्रातःकाल इस सम्मेलन में सम्मिलित तरूण भारत संघ, जिला प्रशासन व स्वयंसेवकों ने आईआईटीटीएम के बाबू लाल यादव के नेतृत्व में नांगल मोहनपुर में जागरूकता अभियान चलाया और स्थानीय ग्रामीणों को जल संरक्षण की महत्ता और उसके लिए आवश्यक उपायों से अवगत कराया। समापन सत्र के आरंभ में गोविंद राम ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत महेंद्रगढ़ जिले में जारी प्रयासों का उल्लेख किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय जल सम्मेलन के समापन को एक नई शुरूआत बताया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती हम सभी के समक्ष उपलब्ध है और इसका निर्माण हम पानी व प्रकृति के संरक्षण के माध्यम से सहज ही कर सकते हैं। कुलपति ने इस प्रयास में सभी के योगदान को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि हर व्यक्ति अपने आसपास उपस्थित स्थितियों में सुधार के लिए संकल्प कर लें तो बड़ें बदलाव लाए जा सकते हैं। कुलपति ने सबका साथ सबका विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी में न सिर्फ मानव जाति बल्कि पेड़-पौधे, पशु-पक्षी भी सम्मिलित हैं और उनके सुरक्षित जीवन के लिए पानी आवश्यक है। इस मौके पर अटल भूजल योजना से जुड़ें डॉ. मुकिम अहमद ने म्हारा पाणी, म्हारी बात नामक प्रस्तुति के माध्यम से जारी विभिन्न प्रयासों से संबंधित प्रस्तुतिकरण दिया। डॉ. इंदिरा खुराना ने इस मौके पर युवा जल सम्मेलन के आयोजन का आग्रह किया जिसे जिला उपायुक्त ने मौके पर ही सहर्ष स्वीकार किया। समापन सत्र में सम्मिलित डॉ. ज्योति आभीर ने इस मौके पर युवा शक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि परिवर्तन लाना है तो युवाओं को जोश और होश दोनों जरूरी हैं।

जिला प्रशासन ने की एक हजार पौधे देने की घोषणा

इस मौके पर जिला प्रशासन ने विश्वविद्यालय परिसर के लिए एक हजार पौधे प्रदान करने की भी घोषणा की। कार्यक्रम के समापन पर प्रो. सुरेंद्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम के आयोजन में आईआईटीटीएम के बाबू लाल यादव व विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, डॉ. रेनु यादव व डॉ. विनीता मलिक ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. विकास गर्ग, डॉ. मनोज कुमार, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी, शोधार्थी, स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

अभियान से जुड़ने वाला मन से करें काम : उपायुक्त

सम्मेलन के समापन सत्र में जिला उपायुक्त डॉ. जेके आभीर ने कहा कि जिसका मन इस अभियान से जुड़ता है वह इससे जुड़कर काम करें। उन्होंने कहा कि समस्या का समाधान तभी संभव है, जबकि इसके बारे में सोचा जाए। प्रशासन का सहयोग आवश्यक है, लेकिन केवल इसके भरोसे ही बैठे रहने से बेहतर है कि युवा आगे बढ़े और अपने स्तर पर संभव प्रयास करें। कार्यक्रम के अंत में डॉ. राजेंद्र सिंह की पुस्तक का विमोचन हुआ।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 12-06-2022**

सरकार और समाज की साझेदारी से होगा जल संरक्षण : डॉ. राजेंद्र सिंह

दो दिवसीय जल सम्मेलन का हुआ समापन, डीसी बोले खुद को पहचानें और आगे बढ़े

वीसी बोले- राष्ट्रीय जल सम्मेलन एक नई शुरुआत, विवि इस अभियान में निभाएगा सक्रिय भूमिका

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

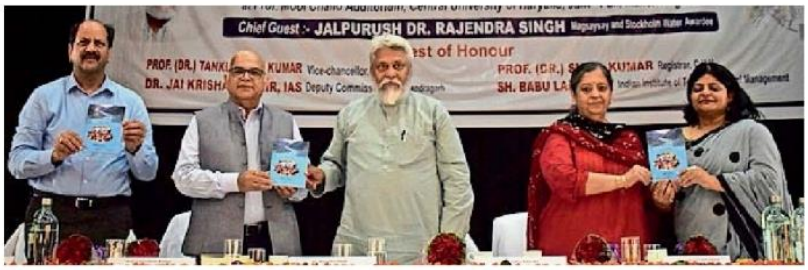

मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल, स्वच्छ भारत मिशन, महेंद्रगढ़ के अंतर्गत इंडियन हिमालयन रिवर बेसिन काउंसिल, तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ व आईआईटीएम, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के साझा प्रयासों से हकेंवि में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जल सम्मेलन का रविवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित करते हुए जल पुरूष डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार और समाज की साझेदारी से जल संरक्षण की दिशा में आरम्भ हुआ सजल महेंद्रगढ़ अभियान अवश्य पूरा होगा। इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आगे बढ़कर भरोसा दिलाया कि विश्वविद्यालय इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्होंने इस अवसर पर जल प्रबंधन पर केंद्रित अध्ययन की सुविधा भी विश्वविद्यालय में शुरू करने की इच्छा व्यक्त की।

समापन सत्र की शुरूआत से पूर्व प्रातः काल इस सम्मेलन में सम्मिलित तरूण भारत संघ, जिला प्रशासन व स्वयंसेवकों ने आईआईटीएम के बाबू लाल यादव के नेतृत्व में नांगल मोहनपुर में जागरुकता अभियान चलाया और स्थानीय ग्रामीणों को जल संरक्षण की महत्ता और उसके लिए आवश्यक उपायों से अवगत कराया। समापन सत्र के आरंभ में गोबिंद राम ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत महेंद्रगढ़ जिले में जारी प्रयासों का उल्लेख किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय जल सम्मेलन के समापन को एक नई शुरूआत बताया। कार्यक्रम के समापन पर प्रो. सुरेंद्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम के आयोजन में आईआईटीएम के बाबू लाल यादव व विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, डॉ. रेनू यादव व डॉ. विनीता मलिक ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. विकास गर्ग, डॉ. मनोज कुमार, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी, शोधार्थी, स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 13-06-2022**

हर व्यक्ति मैं से आरंभ करता है तो जल संरक्षण अभियान की सफलता तय : डा. राजेंद्र सिंह

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: मिशन महेंद्रगढ़-अपना जल, स्वच्छ भारत मिशन, महेंद्रगढ़ के अंतर्गत इंडियन हिमालयन रिवर बेसिन काउंसिल, तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ व आइआइटीटीएम, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के साझा प्रयासों से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जल सम्मेलन का रविवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित करते हुए जल पुरुष डा. राजेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार और समाज की साझेदारी से जल संरक्षण की दिशा में आरंभ हुआ सजल महेंद्रगढ़ अभियान अवश्य पूरा होगा। इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आगे बढ़कर भरोसा दिलाया कि विश्वविद्यालय इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्होंने इस अवसर पर जल प्रबंधन पर केंद्रित अध्ययन की सुविधा भी विश्वविद्यालय में शुरू करने की इच्छा व्यक्त की। तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन व स्वयंसेवकों ने आइआइटीटीएम के बाबू लाल यादव के नेतृत्व में नांगल मोहनपुर में जागरूकता अभियान चलाया और स्थानीय ग्रामीणों को जल संरक्षण की महत्ता और उसके लिए आवश्यक उपायों से अवगत कराया। समापन सत्र के आरंभ में गोविंद राम ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत महेंद्रगढ़ जिले में जारी प्रयासों का उल्लेख किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय जल सम्मेलन के समापन को एक नई शुरूआत बताया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती हम सभी के समक्ष उपलब्ध है और इसका निर्माण हम पानी व प्रकृति के संरक्षण के माध्यम से सहज ही कर सकते हैं। अटल भूजल योजना से जुड़े डा. मुकिम अहमद ने म्हारा पाणी, म्हारी बात नामक प्रस्तुति के माध्यम से जारी विभिन्न प्रयासों से संबंधित प्रस्तुतिकरण दिया। डा. इंदिरा खुराना ने इस मौके पर युवा जल सम्मेलन के आयोजन का आग्रह किया जिसे जिला उपायुक्त ने मौके पर ही सहर्ष स्वीकार किया। समापन सत्र में सम्मिलित डा. ज्योति आधीर ने इस मौके पर युवा शक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि परिवर्तन लाना है तो युवाओं को जोश और होश दोनों जरूरी हैं।

समापन सत्र में डा. राजेंद्र सिंह ने सीधे संवाद की अपनी चिर-परिचित शैली में प्रतिभागियों से सीधे संवाद किया और कहा कि इस अभियान को हर व्यक्ति मैं से आरंभ से करता है तो इसकी सफलता तय है। उन्होंने इस मौके पर जल नायक, जल योद्धा, जल प्रेमी, जल दूत और जल सेवक को भी परिभाषित करते हुए अपने-अपने स्तर पर, अपनी-अपनी योग्यताओं व क्षमताओं के अनुसार प्रतिभागियों को भूमिका निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

जिला उपायुक्त डा. जेके आधीर ने कहा कि जिसका मन इस अभियान से जुड़ता है वह इससे जुड़कर काम करें। उन्होंने कहा कि समस्या का समाधान तभी संभव है जबकि इसके बारे में सोचा जाए। प्रशासन का सहयोग आवश्यक है लेकिन केवल इसके भरोसे ही बैठे रहने से बेहतर है कि युवा आगे बढ़ें और अपने स्तर पर संभव प्रयास करें। उन्होंने कहा कि शारीरिक श्रम से काम करना समाज की सेवा है और इस सेवा के लिए सदैव तत्पर रहें। जलवायु को बेहतर बनाना है तो हवा, पानी और पेड़ सभी का रक्षण व संरक्षण करना होगा। जिला उपायुक्त ने प्रतिभागियों से इस अभियान में जुड़कर सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में डा. राजेंद्र सिंह की पुस्तक का विमोचन हुआ और इस मौके पर जिला प्रशासन ने विश्वविद्यालय परिसर के लिए एक हजार पौधे प्रदान करने की भी घोषणा की।

कार्यक्रम के समापन पर प्रो. सुरेंद्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम के आयोजन में आइआइटीटीएम के बाबू लाल यादव व विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डा. मोना शर्मा, डा. रेनु यादव व डा. विनीता मलिक ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर वि की ओर से डा. विकास गर्ग, डा. मनोज कुमार, वि के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी, शोधार्थी, अधिकारी भी उपस्थित रहे।

हकेंवि में आयोजित कार्यक्रम में उपायुक्त डा. जेके आधीर को पुस्तक भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार • सौ. प्रवक्ता

मैगसेसे अवार्डी डा. राजेंद्र सिंह को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्मृतिचिन्ह देते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार • सौ. प्रवक्ता

- जल प्रबंधन पर केंद्रित अध्ययन सुविधा शुरू करेगा हकेंवि: कुलपति
- दो दिनी जल सम्मेलन का समापन, उपायुक्त बोले- खुद को पहचानें

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 13-06-2022**

दो दिवसीय जल सम्मेलन का समापन

सरकार और समाज की सांझेदारी से होगा जल संरक्षण: डॉ. राजेंद्र सिंह

कुलपति बोले- राष्ट्रीय जल सम्मेलन एक नई शुरूआत, विश्वविद्यालय निभाएगा सक्रिय भूमिका

महेंद्रगढ़, 12 जून (परमजीत, मोहन): 'मिशन महेंद्रगढ़: अपना जल, स्वच्छ भारत मिशन' महेंद्रगढ़ के अंतर्गत इंडियन हिमालयन रिवर बेसिन काऊंसिल, तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ व आई.आई.टी.टी.एम., पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के सांझा प्रयासों से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में आयोजित 2 दिवसीय राष्ट्रीय जल सम्मेलन का रविवार को समापन हो गया।

के समापन सत्र को संबोधित करते हुए जल पुरुष डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार और समाज की सांझेदारी से जल संरक्षण की दिशा में आरम्भ हुआ सजल महेंद्रगढ़ अभियान अवश्य पूरा होगा।

इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आगे बढ़कर भरोसा दिलाया कि विश्वविद्यालय इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएगा।

उन्होंने इस अवसर पर जल प्रबंधन पर केंद्रित अध्ययन की सुविधा भी विश्वविद्यालय में शुरू करने की इच्छा व्यक्त की।

समापन सत्र की शुरूआत से पूर्व प्रात:काल इस सम्मेलन में सम्मिलित तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन व स्वयंसेवकों ने आई.आई.टी.टी.एम. के बाबू लाल यादव के नेतृत्व में नांगल मोहनपुर में जागरूकता अभियान चलाया और स्थानीय ग्रामीणों को जल संरक्षण की महत्ता और उसके लिए आवश्यक उपायों से अवगत करवाया।

समापन सत्र के आरंभ में गोबिंद राम ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत महेंद्रगढ़ जिले में जारी प्रयासों का उल्लेख किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय जल सम्मेलन के समापन को एक नई शुरूआत बताया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती हम सभी के समक्ष उपलब्ध है और इसका निर्माण हम पानी व प्रकृति के संरक्षण के माध्यम से सहज ही कर सकते हैं।

राष्ट्रीय जल सम्मेलन में डॉ. राजेंद्र सिंह की पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उपायुक्त डॉ. जे.के. आभीर, (दाएं) जिला उपायुक्त को पुस्तक भेंट करते कुलपति।

हर व्यक्ति आसपास की स्थितियों में सुधार का संकल्प कर ले तो बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं : कुलपति

कुलपति ने इस प्रयास में सभी के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि हर व्यक्ति अपने आसपास उपस्थित स्थितियों में सुधार के लिए संकल्प कर लें तो बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। कुलपति ने सबका साथ-सबका विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी में न सिर्फ मानव जाति बल्कि पेड़-पौधे, पशु-पक्षी भी सम्मिलित हैं और उनके सुरक्षित जीवन के लिए पानी आवश्यक है।

इस मौके पर अटल भूजल योजना से जुड़ें। डॉ. मुकिम अहमद ने म्हारा पाणी, म्हारी बात नामक प्रस्तुति के माध्यम से जारी विभिन्न प्रयासों से संबंधित प्रस्तुतीकरण दिया। डॉ. इंदिरा खुराना ने इस मौके पर युवा जल सम्मेलन के आयोजन का आग्रह किया, जिसे जिला उपायुक्त ने मौके पर ही सहर्ष स्वीकार किया। समापन सत्र में सम्मिलित डॉ. ज्योति आभीर ने इस मौके पर युवा शक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि परिवर्तन लाना है तो युवाओं का जोश और होश दोनों जरूरी हैं।

समापन सत्र में डॉ. राजेंद्र सिंह ने सीधे संवाद की अपनी चिर-परिचित शैली में प्रतिभागियों से सीधे संवाद किया और कहा कि इस अभियान को हर व्यक्ति मैं से आरंभ से करता है तो इसकी सफलता तय है। उन्होंने इस मौके पर जल नायक, जल योद्धा, जल प्रेमी, जल दूत और जल सेवक को भी परिभाषित करते हुए अपने-अपने स्तर पर, अपनी-अपनी योग्यताओं व क्षमताओं के अनुसार प्रतिभागियों को भूमिका निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

उपायुक्त बोले- खुद को पहचानें और आगे बढ़ें

सम्मेलन के समापन सत्र में जिला उपायुक्त डॉ. जे.के. आभीर ने कहा कि जिसका मन इस अभियान से जुड़ता है वह इससे जुड़कर काम करें। उन्होंने कहा कि समस्या का समाधान तभी संभव है जबकि इसके बारे में सोचा जाए। प्रशासन का सहयोग आवश्यक है लेकिन केवल इसके भरोसे ही बैठे रहने से बेहतर है कि युवा आगे बढ़ें और अपने स्तर पर संभव प्रयास करें।

उन्होंने कहा कि शारीरिक श्रम से काम करना समाज की सेवा है और इस सेवा के लिए सदैव तत्पर रहें। जलवायु को बेहतर बनाना है तो हवा, पानी और पेड़ सभी का रक्षण व संरक्षण करना होगा।

जिला उपायुक्त ने प्रतिभागियों से इस अभियान में जुड़कर सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में डॉ. राजेंद्र सिंह की पुस्तक का विमोचन हुआ और इस मौके पर जिला प्रशासन ने विश्वविद्यालय परिसर हेतु एक हजार पौधे प्रदान करने की भी घोषणा की।

कार्यक्रम के आयोजन में आई. आई. टी. टी. एम. के बाबू लाल यादव व विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, डॉ. रेनु यादव व डॉ. विनीता मलिक ने सक्रिय भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) **Date: 13-06-2022**

सरकार और समाज की साझेदारी से होगा जल संरक्षण

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): मिशन महेंद्रगढ़, अपना जल, स्वच्छ भारत मिशन, महेंद्रगढ़ के अंतर्गत इंडियन हिमालयन रिवर बेसिन काउंसिल, तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ व आईआईटीटीएम, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के साझा प्रयासों से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जल सम्मेलन का रविवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित करते हुए जल पुरूष डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार और समाज की साझेदारी से जल संरक्षण की दिशा में आरम्भ हुआ सजल महेंद्रगढ़ अभियान अवश्य पूरा होगा। इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आगे बढ़कर भरोसा दिलाया कि विश्वविद्यालय इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्होंने इस अवसर पर जल प्रबंधन पर केंद्रित अध्ययन की सुविधा भी विश्वविद्यालय में शुरू करने की इच्छा व्यक्त की। समापन

राष्ट्रीय जल सम्मेलन में समापन सत्र पर जिला उपायुक्त को पुस्तक भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (छाया : पंजाब केसरी)

सत्र की शुरूआत से पूर्व प्रात:काल इस सम्मेलन में सम्मिलित तरूण भारत संघ, जिला प्रशासन व स्वयंसेवकों ने आईआईटीटीएम के श्री बाबू लाल यादव के नेतृत्व में नांगल मोहनपुर में जागरूकता अभियान चलाया और स्थानीय ग्रामीणों को जल संरक्षण की महत्ता और उसके लिए आवश्यक उपायों से अवगत कराया। समापन सत्र के आरंभ में श्री गोबिंद राम जी ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत महेंद्रगढ़ जिले में जारी प्रयासों का उल्लेख किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय जल सम्मेलन के समापन को एक नई शुरूआत बताया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती हम सभी के समक्ष उपलब्ध है और इसका निर्माण हम पानी व प्रकृति के संरक्षण के माध्यम से सहज ही कर सकते हैं। कुलपति ने इस प्रयास में सभी के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि हर व्यक्ति अपने आसपास उपस्थित स्थितियों में सुधार के लिए संकल्प कर लें तो बड़ें बदलाव लाए जा सकते हैं। सम्मेलन के समापन सत्र में जिला उपायुक्त डॉ. जे.के. आभीर ने कहा कि जिसका मन इस अभियान से जुड़ता है वह इससे जुड़कर काम करें। उन्होंने कहा कि समस्या का समाधान तभी संभव है जबकि इसके बारे में सोचा जाए। प्रशासन का सहयोग आवश्यक है लेकिन केवल इसके भरोसे ही बैठे रहने से बेहतर है कि युवा आगे बढ़े और अपने स्तर पर संभव प्रयास करें।

उन्होंने कहा कि शारीरिक श्रम से काम करना समाज की सेवा है और इस सेवा के लिए सदैव तत्पर रहें। जलवायु को बेहतर बनाना है तो हवा, पानी और पेड़ सभी का रक्षण व संरक्षण करना होगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar **Date: 13-06-2022**

सरकार और समाज की साझेदारी से होगा जल संरक्षण : डॉ. राजेंद्र

○ कुलपति बोले- राष्ट्रीय जल सम्मेलन एक नई शुरूआत, विश्वविद्यालय अभियान में निभाएगा सक्रिय भूमिका

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। अपना जल, स्वच्छ भारत मिशन, महेंद्रगढ़ के अंतर्गत इंडियन हिमालयन रिवर बेसिन काउंसिल, तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ व आईआईटीटीएम, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के साझा प्रयासों से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जल सम्मेलन का रविवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित करते हुए जल पुरूष डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार और समाज की साझेदारी से जल संरक्षण की दिशा में आरम्भ हुआ सजल महेंद्रगढ़ अभियान अवश्य पूरा होगा। इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आगे बढ़कर भरोसा दिलाया कि विश्वविद्यालय इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्होंने इस अवसर पर जल प्रबंधन पर केंद्रित अध्ययन की सुविधा भी विश्वविद्यालय में शुरू करने की इच्छा व्यक्त की।

समापन सत्र की शुरूआत से पूर्व प्रातःकाल इस सम्मेलन में सम्मिलित तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन व स्वयंसेवकों ने आईआईटीटीएम के बाबू लाल यादव के नेतृत्व में नांगल मोहनपुर में जागरूकता अभियान चलाया और स्थानीय ग्रामीणों को जल संरक्षण की महत्ता और उसके लिए आवश्यक उपायों से अवगत कराया। समापन सत्र के आरंभ में गोबिंद राम ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत महेंद्रगढ़ जिले में जारी प्रयासों का उल्लेख किया। डॉ. मुकिम अहमद ने म्हारा पाणी, म्हारी बात नामक प्रस्तुति के माध्यम से जारी विभिन्न प्रयासों से संबंधित प्रस्तुतिकरण दिया। डॉ. इंदिरा खुराना ने इस मौके पर युवा जल सम्मेलन के आयोजन का आग्रह किया जिसे जिला उपायुक्त ने मौके पर ही सहर्ष स्वीकार किया। समापन सत्र में सम्मिलित डॉ. ज्योति आभीर ने इस मौके पर युवा शक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि परिवर्तन लाना है तो युवाओं को जोश और होश दोनों जरूरी हैं। समापन सत्र में डॉ. राजेंद्र सिंह ने सीधे संवाद की अपनी चिर-परिचित शैली में प्रतिभागियों से सीधे संवाद किया और कहा कि इस अभियान को हर व्यक्ति मैं से आरंभ से करता है तो इसकी सफलता तय है। उन्होंने इस मौके पर जल नायक, जल योद्धा, जल प्रेमी, जल दूत और जल सेवक को भी परिभाषित करते हुए अपने-अपने स्तर पर, अपनी-अपनी योग्यताओं व क्षमताओं के अनुसार प्रतिभागियों को भूमिका निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. राजेंद्र सिंह की पुस्तक का विमोचन हुआ और इस मौके पर जिला प्रशासन ने विश्वविद्यालय परिसर हेतु एक हजार पौधे प्रदाने करने की भी घोषणा की। कार्यक्रम के समापन पर प्रो. सुरेंद्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम के आयोजन में आईआईटीटीएम के श्री बाबू लाल यादव व विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, डॉ. रेनु यादव व डॉ. विनीता मलिक ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. विकास गर्ग, डॉ. मनोज कुमार, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी, शोधार्थी, स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित रहे।